Name of the college → APSM College Barauni
Name → Dr. Rajesh Kumar Suman
Designation [GT] Date → 12-4-2021
Class → B.A Part-II [H]
Paper → 3rd
Name of the topic → राष्ट्रीय आय [National Income]
Unit → 01

---

⇒ सामान्य परिचय - [General Introduction]

⇒ राष्ट्रीय आय एवं सकल धारेलु उत्पाद से संबंधित आँकड़े किसी भी देश की आर्थिक स्थिति के बारे में जानने के लिये महत्वपूर्ण होते हैं। राष्ट्रीय आय किसी भी अर्थव्यवस्था में वस्तुओं और सेवाओं के प्रवाह को माप है। राष्ट्रीय आय के बारे में जानकारी से देश की अर्थव्यवस्था के आकार एवं विकल्प के बारे में भी जानकारी प्राप्त होती है।

⇒ प्रो. मार्शल, प्रो० पीगू एवं प्रो० फिशर ने अलग-अलग दृष्टिकोण से राष्ट्रीय आय की परिभाषा दी है। इन के अतिरिक्त प्रो० साइमन कुजनेट्स, प्रो० क्लार्क एवं संयुक्त राष्ट्र संघ द्वारा दी गयी परिभाषा भी उल्लेखनीय है।

⇒ प्रो० मार्शल के अनुसार → "किसी देश का श्रम और पूँजी उसके प्राकृतिक साधनों पर कार्यशील होकर प्रति वर्ष भौतिक और अभौतिक वस्तुओं का निट्टि वास्तविक उत्पादन करते हैं, जिनमें सब प्रकार की सेवाएँ भी शामिल रहती हैं इसे ही देश की वास्तविक राष्ट्रीय आय कहते हैं।"

⇒ प्रो० पीगू के अनुसार → "राष्ट्रीय आय समाज की वस्तुगत आय का वह भाग है, जिसे मुद्रा में मापा जा सकता है एवं जिसमें विदेशों से प्राप्त आय भी शामिल रहती है।"

⇒ प्रो० फिशर के अनुसार → "वास्तविक राष्ट्रीय आय, एक वर्ष में उत्पादित शुद्ध उपज का वह अंश है जिसका उस वर्ष में प्रत्यक्ष रूप से उपभोग किया जाता है।"

Scanned with CamScanner

⇒ राष्ट्रीय आय से संबंधित विभिन्न अवधारणाएँ
[Various Concepts Related to National Income]

⇒ बाजार कीमत पर सकल घरेलू उत्पाद ⇒ किसी देश की घरेलू सीमा के अंतर्गत किसी एक वित्तीय वर्ष में सभी निवासी और गैर-निवासी उत्पादक इकाईयों द्वारा बाजार मूल्य पर ज्ञात मूल्यवर्द्धनों का योग या सम्पूर्ण अंतिम वस्तुओं एवं सेवाओं का बाजार मूल्य ही बाजार कीमत पर सकल घरेलू उत्पाद कहलाता है।

⇒ यहाँ देश की घरेलू अर्थात आर्थिक सीमा के अन्तर्गत देश की भौगोलिक, राजनीतिक तथा सामुद्रिक सीमा, वायुमंडल, सीमांतर्गत जलक्षेत्र एवं शेष विश्व में सीमांतर्गत विदेशी अंतःक्षेत्र जैसे दूतावास, सैनिक अड्डे आदि शामिल होते हैं।

⇒ केवल अंतिम वस्तुओं एवं सेवाओं का ~~मूल्य~~ मूल्य शामिल किया जाता है। राष्ट्रीय आय के आकलन में मध्यवर्ती वस्तुओं का मूल्य शामिल नहीं किया जाता है।

उदाहरण → एक किसान द्वारा 500 रु का कपास उत्पादित किया जाता है इसे एक धागा बनाने वाली कंपनी द्वारा क्रय करके इसका धागा बनाया जाता है इसके धागे को 1000 रु में बेच दिया जाता है। कपड़ा बनाने वाली कंपनी द्वारा इसे क्रय करके कपड़ा बनाकर 2000 रु बेच दिया जाता है और अंत में एक रेडीमेड शर्ट निर्माता कंपनी कपड़े को क्रय करके शर्ट बनाकर 3000 रु में बेच देती है। तो राष्ट्रीय आय के आकलन में केवल 3000 रु को शामिल किया जाता है। अंतिम वस्तुओं का मूल्य लेने से मध्यवर्ती वस्तुओं के मूल्य की दोहरी गणना की समस्या से बचा जा सकता है।

Scanned with CamScanner

⇒ बाजार कीमत पर सकल राष्ट्रीय उत्पाद
[Gross National Product at Market Price]

⇒ बाजार मूल्य पर सकल राष्ट्रीय उत्पाद, किसी एक वित्तीय वर्ष के दौरान केवल निवासी उत्पादक इकाईयों अर्थात देश के निवासियों द्वारा देश की घरेलू सीमा के अंदर या बाहर बाजार कीमत पर व्यय मूल्यवर्द्धन का योग है। या सभी अंतिम वस्तुओं तथा सेवाओं का बाजार मूल्य ही बाजार कीमत पर सकल राष्ट्रीय उत्पाद है।

## ⇒ GDP तथा GNP में अंतर

⇒ एक देश की आर्थिक सीमा के अंतर्गत निवासियों तथा गैर-निवासियों द्वारा अर्जित आय या किये गए कुल उत्पादन को सकल घरेलू उत्पाद तथा एक देश की आर्थिक सीमा के भीतर तथा बाहर केवल निवासियों द्वारा अर्जित आय या किये गए कुल उत्पादन को सकल राष्ट्रीय उत्पाद कहते है।

**GNP = GDP + विदेशों से प्राप्त निवल आय**